तेरे दर को मै छोड कहा जाऊ माँ दूजा कोई द्वार लिरिक्स

तेरे दर को मै छोड कहा जाऊ माँ दूजा कोई द्वार

तेरे दर को मै छोड कहा जाऊ
माँ दूजा कोई द्वार न दिखे,

अपना दुखडा मै किसको सुनाओ ॥
माँ दूजा कोई द्वार न दिखे
तेरे दर को मै छोड कहा जाओ,
माँ दूजा कोई द्वार न दिखे,

इक आस मुझे तुमसे है मैया ॥
टूटे कही न विश्वास मेरा मैया ॥
तेरे सिवा कहा झोली फैलाऊ
माँ दूजा कोई द्वार न दिखे
तेरे दर को मै छोड कहा जाऊ…

तेरे आगे मैने दामन पसरा है॥
मुझको ये मैया तेरा ही सहारा है ॥
कहा जाऊ जहा जाके कुछ पाउ
माँ दूजा कोई द्वार न दिखे
तेरे दर को मै छोड कहा जाऊ…

मैं भी आया मैया बन के सवाली है ॥
तेरे दर से गया न कोई ख़ाली है।
कैसे आज में निराश होंके जाऊ,
माँ दूजा कोई द्वार न दिखे
तेरे दर को मै छोड कहा जाऊ…